Power theft by industries in Delhi

2690. SHRI RAM DEO BHANDARI: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in Bank Gali, Narang Colony, Delhi-35 some industries are engaged in power theft with the collusion of DESU staff;

(b) whether it is also a fact that during night the over head line is connected unauthorisedly and due to heavy load the line is fused very often and the whole street is plunged into darkness putting the residents into trouble; and

(c) whether Government propose to make a survey and take action against those including DESU staff found involved in this theft of power?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) to (c) According to the information of DESU, there is no "Bank Gali" in the said area but there is a Gali known as "Bandh Gali" in Narang Colony, Delhi-35. No case of theft of power by some industries has been detected or reported in respect of the said area recently. Priodical raids are carried out by DESU in different areas to check theft of electricity. Appropriate action would be taken against the persons, including DESU staff, if found involved in the theft of electricity in the area in question.

उत्तरी राज्यों को विद्युत आपूर्ति

2691. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के उत्तरी राज्यों में निरंतर विद्युत आपूर्ति की स्थिति गंभीर होती जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो गत अप्रैल, से जुलाई, 1993 की अवधि के दौरान इस क्षेत्र को हर महीने कुल आवश्यकता के कितने प्रतिशत विद्युत की आपूर्ति की गई;

(ग) क्या यह सच है कि इस क्षेत्र को विद्युत की आपूर्ति कम होने के कारण हुई है ;

(घ) यदि हां, तो इस क्षेत्र के लिए विद्युत आपूर्ति का दायित्व निभाने वाली परियोजनाओं के नाम क्या हैं तथा उनमें से प्रत्येक परियोजना में विद्युत का कितना कितना कम उत्पादन हुआ ;

(ङ) क्या प्रत्येक परियोजना में बिजली के कम उत्पादन होने के कारणों का पता लगाया गया है ; और

(च) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) से (ग) अपेक्षित जानकारी विवरण–I में दी गयी है ।

(घ) से (च) अपेक्षित जानकारी विवरण II में दी गयी है ।

विवरण–I

अप्रैल, 93 से जुलाई, 93 की अवधि के दौरान वास्तविक ऊर्जा उत्पादन तथा विद्युत सप्लाई की स्थिति का राज्यवार ब्यौरा ।

राज्य	आवश्यकता (आंकडे मि.यू. में)	उपलब्धता	कमी	वास्तविक (आंकडे मि. यू. में)	
1	2	3	4	5	6
अप्रैल 93					
चंडीगढ़	49	49	0	0.0	
दिल्ली	855	850	5	0.6	559

1	2	3	4	5	6
हरियाणा	840	817	23	2.7	244
हिमाचल प्रदेश	114	114	0	0.0	186
जम्मू एवं कश्मीर	315	257	59	18.4	306
पंजाब	1265	1259	6	0.5	637
राजस्थान	1170	1131	39	3.3	719
उत्तर प्रदेश	2695	2424	271	10.1	3936
जोड़ (उत्तरी क्षेत्र)	7303	6901	402	5.5	7447*
मई, 93					
चण्डीगढ़	62	62	0	0.0	
दिल्ली	1015	1009	6	0.6	578
हरियाणा	950	889	61	6.4	202
हिमाचल प्रदेश	125	125	0	0.0	256
जम्मू एवं कश्मीर	280	242	38	13.6	309
पंजाब	1675	1660	15	0.09	1059
राजस्थान	1260	1232	28	2.2	659
उत्तर प्रदेश	2730	2436	294	10.8	3961
जोड़ (उत्तरी क्षेत्र)	8097	7655	442	5.5	8156*
जून, 93					
चण्डीगढ़	62	62	0	0.0	
दिल्ली	990	972	18	1.8	526
हरियाणा	1040	954	86	8.3	211
हिमाचल प्रदेश	117	117	0	0.0	220
जम्मू एवं कश्मीर	260	229	31	11.9	261
पंजाब	2100	2036	64	3.0	1176
राजस्थान	1195	1085	110	9.2	680
उत्तर प्रदेश	2595	2311	284	10.9	3928
जोड़ (उत्तरी क्षेत्र)	8359	7766	593	7.1	8249*
जलाई, 93					
चण्डीगढ़	64	64	0	0.0	
दिल्ली	975	956	19	1.9	555
हरियाणा	1015	929	86	8.5	223
हिमाचल प्रदेश	190	190	0	0.0	154
जम्मू एवं कश्मीर	220	180	40	18.2	157
पंजाब	1850	1799	51	2.8	970
राजस्थान	1070	1006	64	6.0	613
उत्तर प्रदेश	2700	2384	316	11.7	4046
जोड़ (उत्तरी क्षेत्र)	8084	7508	576	7.1	7965

*बी.बी.एम.बी. द्वारा दिया गया विद्युत उत्पादन भी शामिल है ।

विवरण–II

अप्रैल, 93–जुलाई, 93 की अवधि के दौरान विद्युत उत्पादन।

राज्य/केंद्र	लक्ष्य (मेघावाट आवर)	वास्तविक (मेघावाट आवर)	लक्ष्यों का प्रतिशत	कारण
1	2	3	4	5
दिल्ली				
इंद्रप्रस्थ केंद्र	486	325	66.9	टर्बाइन रोटर फेल हो जाने के कारण यूनिट-4 (62.5 मे.वा. (14–3–93 से बंद पड़ी है । प्रमुख अनुरक्षण कार्यों की अव्यवस्था के कारण यूनिट-5 (60 मे.वा.) 1–4–93 से 28–7–93 तक बंद रही ।
राजघाट	248	164	66.1	ई.एस.पी. मरम्मत कार्यों के कारण यूनिट-1 (67.5 मे.वा.) 5–4–93 से 24–5–93 तक बंद रही । प्रदूषण संबंधी समस्याओं के निवारण हेतु यूनिट-2 (67.5 मे.वा.) 22–6–93 से बन्द पड़ी है ।
हरियाणा				
पानीपत	869	573	65.9	15–11–92 से एच.पी. रोटर ब्लेड फेल हो जाने के कारण यूनिट-4(110 मे.वा.) बन्द पड़ी है। कोयला सम्भरण प्रणाली फेल हो जाने के कारण यूनिट-4 (110 मे.वा.) 248 घंटों तक बन्द रही तथा इसी कारण यह 13–5–93 से 23–5–93 तक तथा 9–7–93 से 23–7–93 तक पुनः बंद रही । पानीपत विद्युत केंद्र में बाढ़ आ जाने के कारण यूनिट-2 (210 मे.वा.) यूनिट-3 (110 मे.वा.) तथा यूनिट 5 11–7–93 से बंद पड़ी है। यूनिट-3 27–7–93 को तथा यूनिट-5 18–7–93 को समकालित की गई, यूनिट-2 अभी भी बन्द पड़ी है ।
फरीदाबाद	241	205	85.1	अव्यवस्थित वार्षिक प्रमुख अनुरक्षण कार्यों के कारण यूनिट-2(55 मे.वा०) 15–3–93 से बंद पड़ी है ।

1	2	3	4	5
पंजाब				
रोपड़	2118	1728	81.6	जुलाई, 93 के दौरान 225 घंटों तक निम्न प्रणालीगत मांग रहने के कारण यूनिट-1 (210 मेघावाट) बन्द रही । अप्रेल, 93 माह के दौरान 558 घंटों तथा 392 घंटों तक निम्न प्रणालीगत मांग रहने के कारण यूनिट-2, 3 (210 मे.वा.) बन्द रही । 24-6-93 से निम्न प्रणालीगन मांग के कारण यूनिट-4 (210 मे० वा०) बंद पड़ी है । नई यूनिट होने के कारण शिफ्ट कार्यों को पूरा करने के लिए यूनिट-6 (210 मे.वा.) अप्रेल, 93 तथा मई, 93 के पूरे माह बंद रही । न्यून प्रणालीगत मांग के कारण यह यूनिट जून तथा जलाई, 93 महीनों में क्रमशः 372 घंटों व 461 घटों के लिए पुनः बद रही ।
राजस्थान				
कोटा	1418	1368	96.5	अव्यवस्थित वार्षिक अनुरक्षण कार्यों के कारण यूनिट-4 (210 मे.वा.) 1-7-93 से बन्द पड़ी है ।
उत्तर प्रदेश				
ओबरा	2317	2034	87.8	अव्यवस्थित प्रमुख अनुरक्षण कार्यों के कारण यूनिट-2 (40 मे.वा.) 28-5-95 से बन्द पड़ी है । अव्यवस्थित प्रमुख अनुरक्षण कार्य के कारण यूनिट-13 (200 मे.वा.) 18-4-93 से 27-6-93 तक बंद रही ।
हरदुआगंज-ख	399	350	87.7	अव्यवस्थित वार्षिक अनुरक्षण कार्यों के कारण यूनिट-1 (40 मे०वा०) 21-4-93 से बन्द पडी है । मिलिंग प्रणाली फेल हो जाने के कारण यूनिट-5 (60 मे.वा.) 1-6-93 से बंद पड़ी है ।

1	2	3	4	5
अनपारा	1560	1328	85.1	विभिन्न अनुरक्षण कार्यों के कारण यूनिट-3 (210 मे.वा) 359 घंटे के लिए बन्द रही । अनपारा यूनिट 1, 2 तथा (प्रत्येक 210 मे.वा.) हालांकि प्रचालन में हैं परन्तु इनसे विद्युत का उत्पादन लक्ष्य से कम हो रहा है ।
टाण्डा	286	249	87.1	हाइड्रोजन के रिसाव के कारण यूनिट 1 (110 मे.वा.) 7-7-93 से बन्द है । अव्यवस्थित वार्षिक अनुरक्षण कार्यों के कारण यूनिट-2 (110 मे.वा.) 7-5-93 से पूरे माह बन्द पड़ी रही ।

विदेशी शर्तों के कारण महंगी बिजली

2692. **श्री जितेन्द्र कुमार जैन :**

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 19 जुलाई, 1993 के "इकानामिक टाइम्स" में "कास्टली पावर इज बैटर देन नन" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित एक समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि विदेशी कर्ज या वित्तीय सहायता स्वीकार करने में पूर्व उन विदेशी शर्तों को भी स्वीकार करना पड़ता है, जो देश और परियोजना के हित में न हों ;

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि हाल में जापान से ली गई आर्थिक मदद के समझौते में कतिपय अहित जुड़े हुए थे ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) सरकार ने समाचार को देखा है।

(ख) से (ङ) हाल के वर्षों में ओवरसीज इकोनोमिक एण्ड कोआपरेशन फण्ड (ओ.ई. सी. एफ.) जापान भारतीय विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण टंग से सहायता करता रहा है । वर्ष 1993-94 से ओ.ई.सी.एफ. सहायता प्राप्त करने वाली परियोजनाओं के लिये उपस्करों की व्यवस्था करने संबंधी कार्य आम तौर पर सुनिश्चित नहीं किये गये हैं और इनके लिये पूरी आई.सी.बी. की प्रक्रियाएं अनुमत्य हैं तथा इनका उपयोग प्रतियोगिता के आधार उपस्कर उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा।

Rates charged from industries by DESU, NTPC

2693. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what norms have been fixed by his Ministry to make available power at a concessional rate to the various industries both small scale and large scale including power intensive units in the country;